पाठ 3. बीरबल की खिचड़ी

पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्देश्य बच्चों में रचनात्मक विचार संबंधी कौशल विकसित करना है ताकि वे चीज़ों व घटनाओं को देखने और करने का अभिनव तरीका अपना सकें। बिना सोचे विचारे निर्णय लेने से कभी-कभी अन्याय या अनर्थ भी हो सकता है। यही इस पाठ में बताया गया है।

पाठ का सार

बीरबल बादशाह अकबर के नवरत्नों में से एक थे जो अपनी बुद्धिमत्ता के लिए जाने जाते थे। एक बार बादशाह ने ऐलान करवा दिया कि जो व्यक्ति रातभर ठंडे पानी में खड़ा रहेगा, उसे सोने की सौ मोहरें इनाम में दी जाएँगी। एक गरीब रातभर ठंडे पानी में खड़ा रहा मगर बादशाह अकबर ने इनाम की राशि देने से यह कहते हुए इनकार कर दिया कि उसने महल में जलती बत्ती को देखकर तथा उससे गर्मी पाकर रात बिताई थी। बीरबल को जब यह मालूम हुआ तो उन्होंने एक दिन बादशाह को खिचड़ी खाने के लिए अपने घर पर बुलाया। बादशाह ने वहाँ जाकर देखा कि जिस हाँडी में खिचड़ी पक रही थी। वह आग से काफ़ी ऊपर बाँधकर रखी हुई थी। बादशाह द्वारा संदेह व्यक्त करने पर बीरबल ने इस घटना को गरीब आदमी वाली घटना से जोड़कर बादशाह को बताया। अगले दिन बादशाह ने दो सौ मोहरें उस गरीब आदमी को दे दीं। बीरबल की चतुराई से बादशाह प्रसन्न हुए।

अध्यापन संकेत

- **मूल पाठ के लिए संकेत**

  अकबर और बीरबल के बारे में सामान्य परिचय दें। बीरबल की हाज़िरजवाबी के बारे में भी बताएँ। कहानी को खंडों में बाँटकर पठन-पाठन कराएँ। अन्याय के विरुद्ध आवाज़ उठाने के शांतिपूर्ण तरीकों के बारे में बताएँ।

  ऊपर टँगी हाँडी में खिचड़ी क्यों नहीं पक सकती, यह अवश्य बताएँ।

- **अभ्यास प्रश्नों के लिए संकेत**
  - **मौखिक प्रश्नों, पहेलियों, पठित परिच्छेद** व **पाठ आधारित प्रश्नों** के अध्यापन संकेत हेतु **पृष्ठ संख्या 42** देखें।
  - 'क् + र' व 'र् + क' का उदाहरण देते हुए संयुक्त अक्षर बनने की प्रक्रिया समझाएँ। उच्चारण के द्वारा यह बताने की चेष्टा करें कि संयुक्त अक्षर में जिन दो वर्णों का मेल होता है उनके बीच में 'अ' ध्वनि नहीं आती है।
  - एकवचन से बहुवचन बनाने पर शब्द के रूप किस प्रकार बदलते हैं, इसके बारे में समझाएँ।
  - विलोम शब्द के दोनों विकल्पों का अर्थ बताएँ ताकि बच्चे विलोम शब्दों की पहचान आसानी से कर सकें।

- **क्रियाकलाप के लिए संकेत**
  - बीरबल के चुटकुले बच्चों से सुनें और उनमें आए शब्दों के अर्थ भी उनसे पूछें।
  - मनपसंद भोजन में यदि बच्चे पिज़्ज़ा, बर्गर, आदि की बात करें तो उन्हें समझाएँ कि इन चीज़ों का सेवन सेहत के लिए ठीक नहीं है।